सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 299 | इंदौर, शनिवार 16 मई, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

बात मुद्दे की

"सोना मत खरीदो?" या यही सही समय है?" "जब जनता सोना बेच रही थी तब बड़े खिलाड़ी खरीद रहे थे!" "'सोना मत खरीदो' – ऐसी सलाहें अक्सर तब आती हैं जब बाज़ार में बड़ा खेल चल रहा होता है।

इतिहास गवाह है, डर में आम लोग बेचते हैं और समझदार लोग भविष्य खरीदते हैं। महंगाई बढ़े, मुद्रा कमजोर हो या आर्थिक अनिश्चितता आए – सदियों से सोना सिर्फ धातु नहीं, सुरक्षा माना गया है।

"Opinion अलग हो सकता है लेकिन economics हमेशा संकेत देती है।"

"जब देश का नेतृत्व कहता है – 'सोना मत खरीदो', तो आम जनता के मन में सबसे पहला सवाल यही उठता है क्या सच में सोना महँगा है, या आने वाले समय का संकेत दिया जा रहा है?"

कुछ लोग इसे अर्थव्यवस्था को संभालने की रणनीति मान रहे हैं, तो कुछ का कहना है कि भारतीय परिवारों के लिए सोना सिर्फ निवेश नहीं, भावनात्मक सुरक्षा भी है। गाँव से शहर तक, मध्यम वर्ग से व्यापारियों तक – हर कोई अपने अनुभव और समझ से इस अपील को देख रहा है।

भारत में सदियों से संकट के समय सोना ही सबसे भरोसेमंद सहारा माना गया है।

इसीलिए आज सोशल मीडिया पर बहस सिर्फ "सोना खरीदें या नहीं" की नहीं, बल्कि "आम आदमी अपनी बचत कहाँ सुरक्षित रखे?" – इस सवाल की भी हो रही है।

(@पुष्पेंद्रपुष्प FB वॉल से साभार)

हाईकोर्ट ने धार भोजशाला को माना मंदिर, फैसले के खिलाफ मुस्लिम पक्ष जाएगा सुप्रीम कोर्ट

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

धार, एजेंसी। भोजशाला मंदिर-कमाल मौला मस्जिद विवाद मामले में हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। हिंदू पक्ष के वकील के अनुसार अदालत ने भोजशाला परिसर को हिंदू मंदिर माना है। कोर्ट ने जैन समाज और मुस्लिम पक्ष की याचिकाओं को खारिज कर दिया है।यह निर्णय भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) की रिपोर्ट के आधार पर लिया गया है, जिस पर अदालत ने भरोसा जताया है। भोजशाला मामले में अदालत के फैसले ने परिसर को देवी वाग्देवी के मंदिर के रूप में मान्यता दी है। वहीं इस मामले में एक हिंदू पक्ष सुप्रीम कोर्ट चला गया है। जितेन्द्र सिंह 'विशन' द्वारा अधिवक्ता बरुण कुमार सिन्हा के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है कि उपरोक्त मामले में उनको सूचना दिए बिना कोई आदेश न दिया जाए। विशन इस मामले में छठे याचिकाकर्ता थे, जिस पर इंदौर की उच्च न्यायालय की पीठ ने शुक्रवार को फैसला सुनाया।

भोज उत्सव समिति ने जताई खुशी

भोज उत्सव समिति के अध्यक्ष सुमित चौधरी ने अदालत के फैसले पर खुशी जताते हुए इसे हिंदू समाज के वर्षों पुराने संघर्ष की जीत बताया। उन्होंने कहा कि 1935 में हिंदू भोज समिति की स्थापना करने वाले कार्यकर्ताओं ने इस मुद्दे के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया था। बड़ी संख्या में मौजूद हिंदू समाज ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए सभी पक्षकारों, अधिवक्ताओं और इस संघर्ष से जुड़े लोगों का आभार व्यक्त किया। संगठन के प्रतिनिधियों ने कहा कि यह फैसला लंबे समय से चल रहे प्रयासों का परिणाम है और इसके लिए सभी सूत्रधारों को धन्यवाद दिया जाना चाहिए।

● एडवोकेट विष्णु शंकर जैन ने कही ये बात

धार भोजशाला मामले पर अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने कहा कि इंदौर उच्च न्यायालय ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए 7 अप्रैल, 2003 के एएसआई के आदेश को आंशिक रूप से रद्द कर दिया है। इसके अलावा, न्यायालय ने हिंदू पक्ष को पूजा-अर्चना का अधिकार प्रदान किया है और भोजशाला परिसर को राजा भोज की संपत्ति के रूप में मान्यता दी है। लंदन के एक संग्रहालय में रखी हमारी मूर्ति को वापस लाने की मांग के संबंध में, न्यायालय ने सरकार को इस अनुरोध पर विचार करने का निर्देश दिया है; न्यायालय ने यह भी कहा है कि मुस्लिम पक्ष भी सरकार के समक्ष अपने विचार रखने के लिए स्वतंत्र है। इसके अतिरिक्त, न्यायालय ने सरकार से मुस्लिम पक्ष को वैकल्पिक भूमि आवंटित करने पर विचार करने को कहा है। न्यायालय ने हमें पूजा-अर्चना करने का अधिकार प्रदान किया है और सरकार को स्थल के प्रबंधन की निगरानी करने का निर्देश दिया है। एएसआई का पिछला आदेश, जिसमें नमाज अदा करने का अधिकार दिया गया था, पूरी तरह से रद्द कर दिया गया है; अब से वहां केवल हिंदू पूजा-अर्चना ही होगी।

● क्या बोले शहर काजी

मुस्लिम पक्ष की ओर से शहर काजी वकार सादिक ने कहा कि अभी तक अदालत के फैसले की विस्तृत प्रति का पूरी तरह अध्ययन नहीं किया गया है। उनके अनुसार, वकीलों की टीम निर्णय का बारीकी से विश्लेषण करेगी कि अदालत ने यह फैसला किन आधारों पर सुनाया है। यदि फैसले में किसी प्रकार की त्रुटि नजर आती है, तो मुस्लिम समाज इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगा। उन्होंने कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) की रिपोर्ट की भी समीक्षा की जाएगी। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि अदालत ने रिपोर्ट के किन हिस्सों को स्वीकार किया है और किन्हें नहीं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि राम जन्मभूमि मामले में भी सुप्रीम कोर्ट ने एएसआई रिपोर्ट को पूरी तरह आधार नहीं बनाया था।

शहर काजी का कहना है कि सर्वे प्रक्रिया के दौरान उन्होंने हजारों आपत्तियां दर्ज कराई थीं, जिन्हें आगे कानूनी आधार बनाया जाएगा। साथ ही लोगों से अपील की गई है कि इस फैसले को अंतिम निर्णय मानकर हार या जीत के रूप में न देखा जाए। उन्होंने दोनों समुदायों से शांति, आपसी भाईचारा बनाए रखने और किसी भी तरह की अफवाह या बहकावे में न आने की अपील की।

लंदन से भारत लौटेगी 'मां वाग्देवी' की प्रतिमा!

भोजशाला पर हाईकोर्ट के फैसले के बाद सीएम मोहन यादव का बड़ा बयान

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। धार की ऐतिहासिक भोजशाला को हिन्दू मंदिर करार दिए जाने के हाईकोर्ट के फैसले के बाद सीएम डॉ. मोहन यादव ने इस निर्णय को देश की सांस्कृतिक विरासत, आस्था और इतिहास के सम्मान का एक बेहद महत्वपूर्ण क्षण बताया है। कोर्ट के इस आदेश के बाद अब भोजशाला को एक संरक्षित स्मारक और मां वाग्देवी की पवित्र आराधना स्थली के रूप में और अधिक मजबूती मिलेगी। उन्होंने मां वाग्देवी की प्रतिमा को लंदन से वापस लाने के लिए हर संभव प्रयास की बात कही है।

सीएम डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) के संरक्षण और प्रबंधन में आने के बाद भोजशाला की गरिमा और अधिक सुदृढ़ होगी। इसके साथ ही वहां श्रद्धालुओं के पूजा-अर्चना के अधिकार को पूरी तरह सुनिश्चित किया जाएगा। कोर्ट का यह फैसला प्राचीन धरोहरों के संरक्षण की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

सीएम ने कहा कि 'मां वाग्देवी' की मूल प्रतिमा को यूनाइटेड किंगडम (UK) से वापस भारत लाने के संबंध में केंद्र सरकार को जो निर्देश दिए गए हैं, वह बेहद स्वागत योग्य हैं। इस पावन कार्य के लिए राज्य सरकार भी अपनी ओर से हर संभव और आवश्यक प्रयास करेगी, ताकि मां वाग्देवी की प्रतिमा को वापस उनके मूल स्थान पर ससम्मान स्थापित किया जा सके।

सीएम मोहन यादव ने भोजशाला पर हाईकोर्ट के फैसले का स्वागत किया

1. भोजशाला को सांस्कृतिक विरासत और आस्था का प्रतीक बताया
2. फैसले को इतिहास और भारतीय संस्कृति के सम्मान का महत्वपूर्ण क्षण कहा
3. श्रद्धालुओं के पूजा-अर्चना अधिकार सुनिश्चित होने की बात कही
4. मां वाग्देवी की प्रतिमा को यूके से वापस लाने के लिए प्रयासों का भरोसा

भीषण गर्मी और देवास हादसे के बाद प्रशासन अलर्ट

जिलेभर में पटाखा फैक्ट्रियों और गोदामों की जांच शुरू

● सुरक्षा मानकों में कमियां पाये जाने पर तीन फैक्ट्रियों को किया गया सील

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। गत दिवस देवास जिले में पटाखा फैक्ट्री में हुई दुर्घटना तथा वर्तमान में पड़ रही भीषण गर्मी को देखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी शिवम वर्मा ने आमजन की सुरक्षा के मद्देनजर जिले के सभी एसडीएम को अपने-अपने क्षेत्र में संचालित पटाखा गोदामों एवं फैक्ट्रियों की जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही ऐसी फैक्ट्रियां जो अत्यधिक संवेदनशील हैं, जैसे एसिड अथवा अग्नि से सीधे संबंधित इकाइयां, उनकी विशेष जांच कर आवश्यक कार्रवाई शीघ्र करने के निर्देश भी दिए गए हैं। जिला प्रशासन के अमले द्वारा आज किए गए निरीक्षण के दौरान सुरक्षा में कमियां पाए जाने पर तीन पटाखा फैक्ट्री को सील किया गया है।

एडीएम रोशन राय ने बताया कि इसी क्रम में तहसील हातोद के ग्राम खजुरिया स्थित पटाखा फैक्ट्री का तहसीलदार द्वारा निरीक्षण किया गया तथा संचालकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। सुरक्षा मानकों में कमी पाए जाने पर खजुरिया स्थित इस फैक्ट्री को सील किया गया है। इस फैक्ट्री के संचालक विनोद पिता रूपाजी हैं। वहीं एसडीएम सांवेर द्वारा धतुरिया एवं पंचडेरिया क्षेत्र में स्थित पटाखा संस्थानों की आकस्मिक जांच की गई। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए आवश्यक सुधार करवाए गए तथा सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित संचालकों को दिए। अनुविभाग बिचोली क्षेत्र में भी पटाखा फैक्ट्री और गोदामों की जांच की गई। इस दौरान सुरक्षा मानकों में कमियां पाये जाने पर ग्राम राजधरा स्थित शाना फायर वर्क्स (संचालक अकरम मंसूरी) एवं बाबा फायर वर्क्स (संचालक सलीम मंसूरी) की पटाखा फैक्ट्री को सील किया गया। यह कार्रवाई तहसीलदार अनिल पटेल, सुश्री शिखा सोनी, राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी की उपस्थिति में की गई। जिले में निरीक्षण की कार्रवाई लगातार जारी है।

फिजिकल रिलेशन से नाखुश पत्नी ने मांगा तलाक

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। एक महिला हर हाल में तलाक लेना चाहती थी। शादी के बाद से ही वह पति के साथ संबंध को लेकर संतुष्ट नहीं थी। ऐसे में पत्नी चाहती है कि वह जल्द से जल्द अपने पति को छोड़ दें। पति और उसका परिवार उसे रखना चाहते हैं। घर की चार दीवारों में शुरू हुआ विवाद बाहर आने लगा।

कहासुनी बढ़ती जा रही थी। परिवार ने समाज की पंचायत के पास बात पहुंचाई। दोनों पक्षों को सुना गया। पत्नी के आरोपों की डॉक्टरों से जांच कराई गई। आखिरकार, मामला सुलझ गया। अब दोनों साथ में रहते हैं। केंद्र के संस्थापक सदस्य किशोर कोडवानी ने बताया कि हमारे पास अब तक आए कुल विवादों में 48% दाम्पत्य से जुड़े हैं। 18% पारिवारिक, 17% संपत्ति, 12% आर्थिक और 10% सामाजिक मामलों से संबंधित हैं। एक फीसदी मामले ऐसे भी थे, जो सुनवाई योग्य नहीं थे। ऐसे मामलों को निरस्त कर दिया गया। दाम्पत्य से जुड़े मामलों में 60% केस शारीरिक संबंधों में असंतोष से जुड़े हैं। इनमें मेडिकल, पारिवारिक परिस्थितियां, मेंटल कंडीशन, फिजिकल रिलेशन और लाइफ स्टाइल जैसे कारण शामिल हैं। कुछ विवाद मनोवैज्ञानिक आधार पर भी सामने आए हैं। ऐसे मामलों में हमने मनोवैज्ञानिकों की मदद से काउंसलिंग कराई है।

लव मैरिज से पहले प्रेमिका के सामने ही लगा ली फांसी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। आजाद नगर थाना क्षेत्र के मूसाखेड़ी में गुरुवार रात एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई। यहां रहने वाले बीस वर्षीय युवक प्रथम तंबोली ने अपने ही घर में फांसी का फंदा लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। घटना के संबंध में प्रारंभिक जानकारी यह सामने आई है कि कदम उठाने से ठीक पहले युवक का उसकी मंगेतर से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। दोनों के बीच बातचीत के दौरान हुई कहासुनी के बाद युवक ने यह आत्मघाती कदम उठा लिया। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर पूरे मामले की गहनता से जांच शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार घटना मूसाखेड़ी क्षेत्र की है जहां प्रथम तंबोली अपने परिवार के साथ निवास करता था। गुरुवार

की देर रात जब पड़ोस में रहने वाले रिश्तेदारों को इस बात की भनक लगी तो वे तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रथम को फंदे पर लटका हुआ देखा, जिसके बाद आनन-फानन में उसे नीचे उतारा गया। हालांकि तब तक काफी देर हो चुकी थी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई के लिए एमवाय अस्पताल भिजवाया गया। मृतक के परिजनों ने बताया कि प्रथम की मंगेतर छावनी क्षेत्र की रहने वाली है। जिस रात यह दुखद घटना हुई, उस रात वह प्रथम के घर पर ही आई हुई थी। उसने ही पड़ोस में रहने वाले रिश्तेदारों को भागकर इस पूरी घटना की जानकारी दी। मंगेतर के बयान के मुताबिक उस समय दोनों के बीच सामान्य बातचीत चल रही थी, लेकिन इसी दौरान किसी पुरानी या तात्कालिक बात को लेकर उनके बीच विवाद गहरा गया। इस बहस के कुछ ही देर बाद प्रथम ने कमरे में जाकर यह खौफनाक कदम उठा लिया। मृतक प्रथम तंबोली एक निजी संस्थान में काम करता था। जिस समय यह पूरी घटना घटित हुई, उस समय घर पर कोई अन्य सदस्य मौजूद नहीं था। उसके पिता और भाई किसी काम से शिवपुरी गए हुए थे, जबकि उसकी मां अरबिंदो अस्पताल में अपनी ड्यूटी पर तैनात थीं। घटना की खबर लगते ही रिश्तेदारों ने तुरंत फोन कर माता-पिता को वापस बुलाया। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार कुछ समय पहले ही प्रथम और उसके भाई दोनों की सगाई हुई थी और इसी साल दोनों की शादी तय की गई थी। प्रथम प्रेम विवाह करने जा रहा था। इस पूरे मामले को लेकर आजाद नगर थाना प्रभारी लोकेश भदौरिया ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया है। घटनास्थल की बारीकी से तलाशी लेने के बाद भी वहां से किसी प्रकार का सुसाइड नोट बरामद नहीं हो सका है। पुलिस ने मंगेतर और परिजनों के बयान दर्ज करना शुरू कर दिया है। मंगेतर से किस बात पर विवाद हुआ था और आत्महत्या की असली वजह क्या थी, इसे लेकर सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर विस्तृत जांच की जा रही है।

कटाक्ष

इंदौर पुलिस की त्वरित एवं संवेदनशील कार्रवाई

तीन अपहृत नाबालिग बालिकाओं को 24 घंटे के भीतर उज्जैन से सकुशल दस्तयाब किया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा गुमशुदा एवं अपहृत बालक-बालिकाओं की सुरक्षित तलाश एवं शीघ्र दस्तयाबी को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रदेशभर में लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में इंदौर जिले की थाना अन्नपूर्णा पुलिस ने त्वरित एवं संवेदनशील कार्यवाही करते हुए तीन नाबालिग बालिकाओं को 24 घंटे के भीतर उज्जैन से सकुशल दस्तयाब करने में सफलता प्राप्त की है।

14 मई को थाना अन्नपूर्णा क्षेत्र से तीन नाबालिग बालिकाओं के गुम/अपहृत होने की सूचना प्राप्त हुई थी। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम गठित कर तत्काल तलाश प्रारंभ की गई। पुलिस टीम द्वारा लगातार सघन सर्चिंग अभियान चलाते हुए संभावित स्थानों पर तलाश, आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ, सीसीटीवी फुटेज का परीक्षण तथा तकनीकी विश्लेषण के माध्यम से महत्वपूर्ण जानकारी एकत्रित की गई। मुखबिर तंत्र एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस टीम ने सतत प्रयास करते हुए तीनों बालिकाओं को उज्जैन से मात्र 24 घंटे के भीतर सकुशल दस्तयाब कर लिया।बालिकाओं की काउंसलिंग कर सुरक्षित उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया। मध्यप्रदेश पुलिस नागरिकों से अपील करती है कि बच्चों से संबंधित किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी तत्काल डायल-112 अथवा नजदीकी पुलिस थाने को दें, ताकि समय रहते प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके।

जल संकट को लेकर कांग्रेस का जन आंदोलन

फोड़े मटके, उग्र आंदोलन का दिया अल्टीमेटम

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने आरोप लगाया कि नगर निगम की लापरवाही के कारण शहर गंभीर जल संकट से गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि शहर की आधी आबादी तक नर्मदा का पानी नहीं पहुंच पा रहा है और जहां पानी पहुंच रहा है वहां भी पर्याप्त दबाव और समय तक सप्लाई नहीं मिल रही। उन्होंने कहा कि कई क्षेत्रों में गंदा पानी आने की समस्या अब भी बनी हुई है। चौकसे ने आरोप लगाया कि 35 लोगों की मौत के बाद भी नगर निगम ने स्थिति सुधारने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए। कांग्रेस ने भाजपा के 27 वर्षों के नगर निगम शासन

पर सवाल उठाते हुए कहा कि इतने लंबे समय के बाद भी शहर के प्रत्येक नागरिक तक नर्मदा जल पहुंचाने की व्यवस्था नहीं हो सकी। चौकसे ने कहा कि नर्मदा परियोजना के तीसरे चरण के समय दावा किया गया था कि साल 2040 तक की आबादी के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध रहेगा, लेकिन वर्तमान में साल 2026 की आबादी को भी पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा। कांग्रेस का आरोप है कि जिन क्षेत्रों में नर्मदा पाइपलाइन नहीं है वहां लोग बोरिंग के पानी पर निर्भर हैं। तेज गर्मी के कारण कई बोरिंग सूख गए हैं या मोटरें खराब हो गई हैं।

चौकसे ने आरोप लगाया कि नगर निगम के सरकारी बोरिंगों की स्थिति और खराब है। उन्होंने कहा कि पूरे शहर की मोटर सुधारने का ठेका केवल एक ठेकेदार को दिया गया है, जो काम छोड़ने की बात कह चुका है, लेकिन निगम ने वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि शहर में जल वितरण असमान है। कुछ वीआईपी क्षेत्रों में लंबे समय तक और अधिक दबाव से पानी दिया जा रहा है, जबकि आम लोग पानी के लिए परेशान हैं। उन्होंने कहा कि लोग निजी टैंकरों से महंगा पानी खरीदने को मजबूर हैं। पार्षदों को दिए गए टैंकर भी पर्याप्त पानी नहीं भर पा रहे क्योंकि कई हाइड्रेंट बंद पड़े हैं।

1 लाख 55 हजार रुपए बाजार मूल्य की अवैध मदिरा एवं वाहन जब्त

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कलेक्टर जिला इंदौर शिवम वर्मा के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी अभिषेक तिवारी के निर्देशानुसार कंट्रोलर देवेश चतुर्वेदी एवं डिप्टी कंट्रोलर मनोज अग्रवाल के नेतृत्व में आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में आज वृत्त देपालपुर अंतर्गत उप निरीक्षक भगवानदास अहरवार एवं उनकी टीम द्वारा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर काली बिल्लौद रोड़ पर वाहन चेकिंग के दौरान काले रंग की पल्सर मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी09-डीझेड8265 को रोका गया। वाहन पर सवार निवासी इंदौर संजय पिता अमरसिंह एवं सुनील पिता भंवरसिंह द्वारा अवैध मदिरा का परिवहन किया जा रहा था। तलाशी के दौरान एक झोले से 24 नग बोल्ट बीयर केन जप्त की गईं। जप्त मदिरा एवं वाहन का कुल अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 1 लाख 55 हजार रुपए आंका गया है। उक्त दोनों आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(क) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। कार्यवाही में आरक्षक सुश्री राशि सोलट, रवींद्र कुमार बघेल एवं सावन सिसोदिया का सराहनीय योगदान रहा।

कोर्ट ने कहा-

सर्वे में जैन मंदिर होने के प्रमाण नहीं मिले, इसलिए खारिज हुई याचिका

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। भोजशाला को लेकर जैन समाज की तरफ से भी याचिका लगाई गई थी और कहा था कि लंदन में रखी मूर्ति मां सरस्वती की नहीं बल्कि जैन समाज की अराध्य अंबिका देवी की है। कोर्ट ने जैन समाज की याचिका को लेकर कहा कि- अंबिका देवी की मूर्ति के दावे से उस परिसर को जैन मंदिर घोषित नहीं किया जा सकता है। प्रतिमा अंबिका की है या सरस्वती की। इस तर्क से यह साबित नहीं होता कि भोजशाला जैन मंदिर थी, क्योंकि हमारे समक्ष ऐतिहासिक साहित्य, स्थापत्य विशेषताओं या एएसआई सर्वेक्षण के माध्यम से ऐसा कोई सामग्री प्रस्तुत नहीं की गई है जिससे यह संकेत मिले कि विवादित क्षेत्र जैन मंदिर था। कोर्ट ने यह भी कहा कि भारत में जैन धर्म और हिंदू धर्म अलग-अलग इकाइयां नहीं हैं। इन दोनों धर्मों में पूजा-पद्धति भिन्न हो सकती है, लेकिन प्राचीन काल से दोनों आस्थाएँ साथ-साथ विकसित हुई हैं और एक ही परम सत्ता

की उपासना करती रही हैं। परिणामस्वरूप जैन और हिंदू परंपराओं से संबंधित मूर्तियां अक्सर एक-दूसरे के मंदिरों में पाई जाती हैं।

कोर्ट ने अपने फैसले में मध्य प्रदेश के रतलाम के एक जैन मंदिर का हवाला दिया। जिसमें शिवलिंग के रूप में भगवान शिव तथा भगवान गणेश की मूर्तियाँ स्थापित हैं। इसका कानूनी आधार हिंदू विवाह अधिनियम 1955 की धारा 2(1) (ए) और हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की धारा 2(1) में स्थापित है, जहां जैन धर्म और बौद्ध धर्म को हिंदू धर्म का हिस्सा माना गया है। इसलिए उत्खनन के दौरान विवादित परिसर में जैन तीर्थंकर की प्रतिमा का मिलना कोई आश्चर्य की बात नहीं है। कोर्ट ने कहा कि उपलब्ध विभिन्न दस्तावेजों और साक्ष्यों के आधार पर यह तथ्य स्थापित होता है कि ब्रिटिश अधिकारियों ने प्रतिमा के महत्व को पहचानते हुए धार स्थित विवादित भोजशाला परिसर के निकट मिली दो मूर्तियों को हटाकर सुरक्षित रखा था, जो वर्तमान में लंदन के एक संग्रहालय में रखी गई हैं। कोर्ट ने अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन द्वारा कोर्ट में प्रस्तुत दस्तावेज का हवाला देते हुए कहा कि वाग्देवी की प्रतिमा की फोटो में प्रतिमा को अंबिका नाम से संबोधित किया गया है। कोर्ट ने अभिलेखों का हवाला देते हुए कहा कि वररुचि नाम उस प्रतिमा के शिल्पकार के रुप में अंकित है। वह परमार राज्य का एक अधिकारी था। उसने दो प्रतिमाएँ बनाई थीं एक वाग्देवी की और दूसरी अंबा की। दोनों ही स्वरूप सरस्वती देवी की दिव्यता का प्रतिनिधित्व करते हैं। वाग्देवी की प्रतिमा में देवी सरस्वती के अलावा अन्य आकृतियां भी दर्शाई गई हैं। इन अन्य छोटी मूर्तियों को जैन तीर्थंकरों की प्रतिमाएँ बताया जा रहा है, किंतु इसके समर्थन में कोई प्रामाणिक साक्ष्य उपलब्ध नहीं है। वाग्देवी प्रतिमा के निचले भाग में भगवान गणेश की प्रतिमा और सिंह पर विराजमान देवी दुर्गा की आकृति स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। इसलिए अब देवी सरस्वती (वाग्देवी) की प्रतिमा के साथ देवी दुर्गा और भगवान गणेश की मूर्तियों की उपस्थिति पर विचार करना उचित होगा।हिंदू पौराणिक कथाओं और परंपरा के अनुसार, देवी सरस्वती का भगवान गणेश और देवी दुर्गा के साथ गहरा और बहुआयामी संबंध है। कोर्ट ने इन तथ्यों को आधार मानकर जैन समाज की याचिका खारिज की है।

हल्ला गुल्ला बाल नाट्य के समापन समारोह में होगी 3 नाटकों की प्रस्तुति

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। विजय नगर स्थित सारदा रामकृष्ण विद्या मन्दिर में आयोजित 15 दिवसीय हल्ला गुल्ला बाल नाट्य प्रशिक्षण शिविर का समापन 16 मई को होगा। यह जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी प्रवीण जोशी ने बताया कि शनिवार शाम 4.30 बजे आयोजित इस समापन समारोह में बच्चों द्वारा तैयार 3 नाटकों की प्रस्तुति दी जायेगी। सभी नाटकों का निर्देशन रंगकर्मी तपन मुकर्जी, वरुण जोशी, रचिता जैन और शिल्पा सिंघल ने किया है। साथ ही गीत संगीत, नृत्य और कविता की प्रस्तुतियां होगी। शिविर प्रशिक्षक सीमा व्यास ने बताया कि हल्ला गुल्ला शिविर स्व. कैलाश कोटिया, स्व.आशा कोटिया एवं स्व. सनत कोटिया की स्मृति में आयोजित किया जा रहा है। समारोह के मुख्य अतिथि प्रव्राजिका अमित प्राणा (बड़ी माताजी) होगी। रंगकर्मी सत्यनारायण व्यास एवं संदीप क्षोत्रिय विशेष अतिथि होंगे।

मंत्रालय में हुई विभिन्न विभागों की समीक्षा में दिए निर्देश

प्रदेश को देश में सभी क्षेत्रों में अग्रणी बनाना हमारा लक्ष्य : डॉ. यादव

● मुख्यमंत्री स्वयं करेंगे कार्यालयों में कर्मचारियों की उपस्थिति का निरीक्षण

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेशवासियों के विकास, उनके जीवन स्तर में सुधार करना और जन-जन के कल्याण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से योजनाओं और कार्यक्रमों का क्रियावयन सुनिश्चित करते हुए सभी विभाग अपनी सार्थकता को स्थापित करें। विभाग अपने कार्य क्षेत्र की कठिनाइयों और चुनौतियों

को चिन्हित करते हुए, सकारात्मक भाव से उनका निराकरण करें। विभाग और जिले जिन क्षेत्रों में पीछे हैं, उनमें सुधार के लिए हर संभव प्रयास किए जाएं।

मध्यप्रदेश को सभी क्षेत्रों में देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित करना हमारा प्रयास हो। जनहित में किए जाने वाले सभी नवाचारों को राज्य सरकार प्रोत्साहित करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न शासकीय कार्यक्रमों और योजनाओं के क्रियावयन के संबंध में शुक्रवार को मंत्रालय में आयोजित नोडल विभागों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन सहित अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिव स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

● स्वामित्व योजना में महिलाओं के नाम से कराई जाए रजिस्ट्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी भूमि की नि:शुल्क रजिस्ट्री के कार्य का लाभ प्रदेश के सभी ग्रामवासियों को दिलवाने के लिये अभियान के स्वरूप में संचालित किया जाए। लोकहित के इस कार्य में जनप्रतिनिधियों- पंचायत प्रतिनिधियों की सहभागिता आवश्यक रूप से सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वामित्व योजना में महिलाओं के नाम रजिस्ट्री कराई जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में पात्र हितग्राहियों को जमीन के नि:शुल्क पट्टे वितरित किए जाने पर विशेष ध्यान दिया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी भूमि घोषित करने की प्रक्रिया को सरल बनाना आवश्यक है। कलेक्टर समय सीमा निर्धारित करते हुए पूरी संवेदनाशीलता और सक्रियता से कार्य करें। इससे ग्रामीण क्षेत्र से शहरों में हो रहे पलायन को कम करने में भी मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शहरी क्षेत्र से सटे गांवों के लिए प्रक्रिया का क्रियान्वयन क्षेत्र का नियोजन कर किया जाए। इससे क्षेत्र के सौंदर्यीकरण में मदद मिलेगी और स्थानीय निवासियों को स्कूल, खेल के मैदान, मूलभूत आवश्यकताओं की दुकानों और धर्मशालाओं जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा सकेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राजधानी भोपाल में मंत्रालय, विंध्याचल और सतपुड़ा भवन में तैनात कर्मचारियों की बॉयोमैट्रिक उपस्थिति की व्यवस्था की समीक्षा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बॉयोमैट्रिक अटेंडेंस एक नवाचारी पहल है। इसे प्रदेश के सभी शासकीय कार्यालयों में लागू किया जाए। सभी कार्यालयों में बॉयोमैट्रिक उपस्थित लागू होने से शासकीय कार्य कुशलता और समय बद्धता में वृद्धि होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वे स्वयं भी कार्यालयों में अधिकारियों, कर्मचारियों द्वारा समय के पालन का निरीक्षण करेंगे।

खरगोन में हल्दी रस्म के बाद दुल्हन की मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

खरगोन, एजेसी। जिले के कसरावद में हल्दी रस्म के बाद 21 वर्षीय दुल्हन राखी की संक्रमण से मौत हो गई थी। शादी होनी थी, उसी दिन उसकी अर्थी घर से निकली। इस घटना के बाद परिवार में मातम छा गया है। राखी ने 22 अप्रैल को अपनी हल्दी रस्म के दिन 'घूंघट की आड़ से दिलबर का दीदार अधूरा लगता है...' गीत पर नृत्य किया था, जिसका वीडियो भी सामने आया है। परिजनों ने उसे आशीर्वाद दिया था। उसी रात करीब 2 बजे उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। पिता गजू नाथ के अनुसार, 22 अप्रैल को हल्दी लगाने के बाद रात 2 बजे राखी के चेहरे, गले और होंठों पर सूजन आ गई। उसे खरगोन के अस्पताल ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत और सुविधाओं के अभाव का हवाला देकर इंदौर रेफर कर दिया गया। परिवार को एम्बुलेंस भी उपलब्ध नहीं कराई गई, जिसके बाद 4000 रुपए देकर निजी एम्बुलेंस से एमवायएच इंदौर पहुंचे। इंदौर में इलाज के दौरान, परिवार ने 25 अप्रैल को बेटी को निजी अस्पताल में भर्ती करने का अनुरोध किया, क्योंकि 26 अप्रैल को उसकी शादी थी। एमवायएच से रेफर होने के बाद निजी अस्पताल में जांच कराई गई, लेकिन राखी की हालत देखकर अस्पताल ने ढाई से तीन लाख रुपए तक का खर्च बताया। परिवार इलाज का खर्च उठाने में सक्षम नहीं था, इसलिए वे बेटी को वापस एमवायएच ले जाने लगे। रास्ते में ही राखी ने दम तोड़ दिया। बिना पोस्टमार्टम कराए शव घर ले आए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लाखों अनुयायियों को संबोधित किया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में जय गुरुदेव आश्रम में गुरुदेव महाराज से भेंट कर आशीर्वाद लिया और उनके अमृत प्रवचनों का श्रवण किया। गुरुदेव श्री उमाकांत जी महाराज ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को आशीर्वाद देते हुए कहा कि सदा ऐसे ही समाज की सेवा में लगे रहे और सत्य, सनातन, अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए जन सेवा करते रहें। आज आप अपने कार्यों से जनता के प्यारे बन गए है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुदेव के निर्देश पर मंच से ही गुरुदेव के अनुयायियों को संबोधित करते हुए कहा कि बाबा गुरुदेव की उज्जैन में आना हमारे लिए सौभाग्य की बात

है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुरुवर को देखकर ऐसा लगता है कि स्वयं ईश्वर को देख लिया हो, यह आश्रम परमात्मा का घर है, परमात्मा का आशीर्वाद है कि हमें गुरुवर का आशीर्वाद उनके स्वरूप में मिल रहा है और जीवन में सत्य कार्य करने का जो मार्गदर्शन हमें गुरुवर के चरणों से मिलता है उसे जीवन जीने का नया मार्ग हमें प्राप्त होता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महाराज जी का आशीर्वाद चिर काल तक हम सभी को मिलता रहे और आनंद के साथ जीवन का यापन करें। सनातन धर्म में मान्यता है कि 84 लाख योनियों के बाद हमें यह मानव जीवन मिलता है। इस मानव जीवन को सही तरीके से जीने का जो मार्ग आपके द्वारा बताया जाता है उससे जीवन सरल और संयमित होकर जीने का मार्ग मिल जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा की महाराज जी की कृपा से हमने प्रदेश में गौशालाओं को बनाने और संरक्षण देने का काम कर रहे हैं। उज्जैन सहित अन्य धार्मिक नगरों में भी शराब बंदी के लागू की है और प्रदेश में उज्जैन ओंकारेश्वर, महेश्वर दतिया, पीतांबरा पीठ, सलकनपुर, ओरछा, चित्रकूट सहित 19 नगर में शराबबंदी का आदेश भगवत कृपा से ही हो पाया है।

प्रो. आलोक शर्मा बने राजीव गांधी विवि के कुलपति

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने प्रो. आलोक शर्मा, निदेशक भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान, ग्वालियर को आरजीपीवी का कुलपति नियुक्त किया है। यह नियुक्ति चार वर्ष की अवधि के लिए की गई है। इसके अलावा राज्य शासन ने बाल अधिकार संरक्षण आयोग में दो सदस्यों की नियुक्ति भी की है। राज्य शासन ने मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग में सोनम निनामा और अधिवक्ता अर्चना गुप्ता को सदस्य नियुक्त किया है। इससे पहले डॉ. निवेदिता शर्मा को आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया जा चुका है। आयोग में अब एक अध्यक्ष और दो सदस्यों की पूर्ण समिति कार्यरत होगी। इससे बाल अधिकार संरक्षण, बाल सुरक्षा और बाल कल्याण से जुड़े कार्यों का संचालन और अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा।

पुल से गिरी बोलेरो ड्राइवर की मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

खंडवा, एजेंसी। शुक्रवार सुबह के एक हादसे में बोलेरो ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई। घटना इतनी भयावह थी कि कार इंदिरा सागर बांध के बाहरी हिस्से में 200 फीट नीचे गिरी हैं। जिससे कि पावर स्टेशन की रिटेनिंग वॉल क्षतिग्रस्त हो गई हैं। रिटेनिंग वॉल ना होती तो कार सीधे टरबाइन से आने वाले पानी में बह जाती। हादसा, खंडवा-भोपाल हाईवे पर नर्मदानगर ओवरब्रिज पर हुई हैं। यह ओवरब्रिज इंदिरा सागर बांध के मुहाने पर हैं। ब्रिज के शुरूआती एरिया से पावर स्टेशन का रास्ता लगा हैं। जहां बांध प्रशासन ने ब्रिज तक जाल लगा रखा हैं।

संपादकीय

नशामुक्त भारत का संकल्प और वैश्विक चुनौती

विदेशों से खुफिया जानकारी जुटाने और उसका विश्लेषण करने वाली भारत की प्रमुख एजेंसी, रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) ने शुक्रवार को अपनी वार्षिक व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस वर्ष 'मादक पदार्थ: एक सीमाहीन खतरा, एक सामूहिक जिम्मेदारी' विषय पर अपना संबोधन दिया। अपने संबोधन में गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने 2047 तक नशामुक्त भारत का राष्ट्रीय लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने मादक पदार्थों के गिरोहों को खत्म करने के लिए एक रोडमैप तैयार किया है और इस लक्ष्य की दिशा में काम कर रही हैं। केंद्रीय मंत्री शाह ने स्पष्ट रूप से कहा कि मादक पदार्थों के प्रति भारत की 'जीरो टोलरेंस' की नीति के तहत, देश यह सुनिश्चित करेगा कि एक ग्राम भी मादक पदार्थ देश में प्रवेश न कर सके या भारत को पारगमन मार्ग के रूप में उपयोग करके देश से बाहर न जा सके। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मादक पदार्थों की तस्करी केवल पुलिस या मादक पदार्थों के खिलाफ काम करने वाली कानून-व्यवस्था का मामला नहीं है, बल्कि इसका समाज और आने वाली पीढ़ियों पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ता है। इसलिए, उन्होंने कहा कि इसके लिए एक व्यापक समाधान की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि हालांकि मादक पदार्थों के धन का इस्तेमाल आतंकवादियों और आपराधिक गिरोहों को वित्त पोषित करने और समानांतर अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा है, लेकिन मादक पदार्थों के सेवन से मानव शरीर को होने वाले स्थायी नुकसान पर बड़े पैमाने पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। शाह ने चेतावनी दी कि इस खतरे को हराने के लिए दुनिया के सभी जिम्मेदार देशों के पास अभी भी मिलकर काम करने का समय है, और कहा कि अगर अभी संयुक्त प्रयास शुरू नहीं किए गए, तो 10 साल बाद दुनिया को एहसास होगा कि जो नुकसान हुआ है उसे ठीक करना बहुत देर हो चुकी है।

मुंशी प्रेमचंद की कहानी :

माता का हृदय

माधवी के पति की 22 साल पहले मौत हो गई थी। उसके पास कोई धन दौलत नहीं थी और संपत्ति के नाम पर सिर्फ एक बेटा था, जो इस वक्त जेल में बंद था। अपने उस घर में वो अकेली पड़ गई थी और उसके आंसू तक पोंछने वाला कोई नहीं था।

माधवी ने बड़ी दुख तकलीफों को झेलते हुए अपने बच्चे को पाल पोस कर बड़ा किया था। अगर मां-बेटे को जुदा करने वाली मौत होती, तो माधवी सब्र कर लेती और उसके मन में किसी के लिए क्रोध न होता, लेकिन उन्हें जुदा करने वाले तो कोई और थे, जिनके अत्याचार को सहना उसके लिए मुश्किल हो रहा था। माधवी के मन में बार-बार उन स्वार्थियों से बदला लेने का विचार घूम रहा था।

माधवी के लिए उसका बेटा ही सब कुछ था, जिसे देख कर ही उसे जिंदगी में आगे बढ़ने का हौसला मिलता था। माधवी का बेटा सुंदर होने के साथ ही बहुत होनहार भी था। माधवी ने उसकी अच्छी परवरिश की थी। उसकी गली के सारे लोग उसके बेटे की तारीफ करते नहीं थकते थे और यहां तक कि स्कूल के अध्यापक तक उस पर जान छिड़कते थे।

माधवी के बेटे का नाम आत्मानंद था। आत्मानंद से दूसरों की दुख तकलीफें देखी नहीं जाती थी और लोगों की मदद करने के लिए वह हमेशा तत्पर रहता था। उसे देख कर कोई सोच भी नहीं सकता था कि वह कोई अपराध कर सकता है। माधवी भी यही सोचकर तड़पते हुए दिन काट रही थी कि आखिर उसका क्या अपराध था?

आत्मानंद में गुणों का भंडार था। वह साहसी, निस्वार्थ और देशप्रेमी होने के साथ-साथ कर्तव्य का पालन करने वाला इंसान था। साथ ही वो राजनीति में रुचि रखता था। वो बेबाक था और अपने राजनीतिक लेखों की वजह से सरकारी कर्मचारियों की नजरों में आ गया था। पुलिस भी उसकी हरकतों पर नजर रखती थी। पुलिस बस एक मौके की तलाश में थी, ताकि वो उसे जेल की सलाखों के पीछे डाल सकें।

जिले में पड़े एक डाके ने उन सभी लोगों को आत्मानंद को फंसाने का अवसर दे दिया, जो उसे पसंद नहीं करते थे। डाके से तार जुड़े होने का हवाला देकर आत्मानंद के घर की तलाशी ली गई, जहां मिले कुछ पत्रों व लेखों को डाके का मुख्य कारण बताते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया गया। अपने आरोपों को सिद्ध करने के लिए पुलिस ने कुछ और युवकों को भी गिरफ्तार कर लिया और आत्मानंद को गिरोह का मुखिया करार दे दिया गया। जिसके बाद महीने भर तक मुकदमा चला और न जाने कहां-कहां से पुलिस ने ऐसे झूठे गवाह सामने लाकर खड़े कर दिए कि कोर्ट ने आत्मानंद समेत सभी युवकों को दोषी करार दे दिया और 4 साल के कठोर कारावास की सजा सुना दी।

बेटे की हर सुनवाई में जा रही माधवी ने देखा कि इंसान का चरित्र कितना नीच हो सकता है और वह अपने स्वार्थ के लिए किसी को भी हानि पहुंचाने से नहीं चुकता। अपने बेटे को हथकड़ियों में पुलिस द्वारा जेल ले जाते देख माधवी वहीं बेहोश होकर गिर गई। जिसके बाद कुछ भले लोगों ने उसे तांगे पर बैठाकर घर तक पहुंचाया।

माधवी को जब होश आया, तो उसे पूरा वाकया याद आया। अपने इकलौते सहारे से दूर होने का गम उसे खाए जा रहे था, जो उसे एक पल भी चैन की सांस तक लेने नहीं दे रहा था। कोई रास्ता न सूझने पर माधवी ने अपनी वेदना को ही प्रतिशोध में बदलने का फैसला लिया और उसके बेटे की यह दुर्दशा करने वालों से बदला लेना ही अपने जीवन का मकसद बना लिया।

माधवी के मन में भी प्रतिशोध की ज्वाला धधक रही थी। वह बस यही सोच रही थी कि ऐसा क्या करे कि जिससे उन अत्याचारियों से बदला लिया जा सके? देर रात तक माधवी सोचती रही कि विधवा जीवन जीते 22 साल बीत गए, लेकिन अब उसे बाहर निकलना होगा। अपने अंतर्मन से माधवी कहने लगी कि इस दुनिया में अच्छे कर्मों की कोई जगह नहीं और हो सकता है ईश्वर ने भी निराश होकर हमसे मुंह फेर लिया हो, तो ऐसे में उन अत्याचारियों को दंडित करने के लिए उसे ही कदम उठाना होगा।

शाम का वक्त था। लखनऊ में एक बड़ा-सा बंगला झिलमिलाती लाइटों से सजा था। जहां दोस्तों की महफिल सजी थी और गाना बजाना हो रहा था। एक ओर मेज आतिशबाजियों से सजी थी, तो दूसरी और तरह-तरह के पकवान रखे थे। बंगले के चारों ओर पुलिसकर्मी तैनात थे, क्योंकि वह बंगला पुलिस सुपरिटेंडेंट मिस्टर बागची का था। बागची ने एक बड़ा मार्के का केस जीता था, जिससे खुश होकर अफसरों ने उन्हें तरक्की दी थी, जिसकी खुशी में जश्न मनाया जा रहा था। मार्के का केस जिसमें पुलिस बेगुनाह युवकों को झूठे केस में फंसा कर जेल में भर देती थी।

यहां आए दिन उत्सव होते ही रहते थे। महफिल में रौनक बढ़ाने के लिए मुफ्त में गाने-बजाने वाले, आतिशबाजियां और आधे दामों पर मिठाइयां व फल-फूल उन्हें आसानी से मिल जाते थे। दौड़ धूप करने के लिए सिपाहियों की एक टुकड़ी हर वक्त उनके घर पर तैनात रहती थी। महफिल में गाने-बजाने का कार्यक्रम समाप्त होने के बाद मेहमान अब भोजन करने लगे थे। दुकान से दावत का सामान ढोने वाले मजदूर उन्हें कोसते हुए वहां से चले गए थे।

बस बाकी बचे मजदूरों के साथ एक बूढ़ी औरत वहां काम कर रही थी। वो बूढ़ी औरत चेहरे पर हल्की मुस्कान लिए अपने काम में मग्न थी। वह महिला और कोई नहीं, बल्कि माधवी थी, जो बदला लेने के लिए मजदूर बनकर काम कर रही थी। महफिल खत्म होते-होते सभी मेहमान जा चुके थे। इक्के-दुक्के मजदूर बचा हुआ खाना समेट रहे थे। माधवी एक कोने में चुपचाप बैठी हुई एकटक सभी को देखे जा रही थी।

सहसा मिस्टर बागची की नजर माधवी पर पड़ी, तो वो उसके पास पहुंचे और बोले, "तुम अब तक यहां क्या कर रही हो? कुछ खाने के लिए मिला या नहीं?" माधवी ने नजर उठाकर बागची को देखकर कहा, "साहब खाना तो मिल गया, लेकिन मेरे पास जाने के लिए कोई जगह नहीं है, अगर आपको ऐतराज न हो, तो मुझे यहीं कोने में पड़ी रहने दीजिए।" माधवी की बात सुनकर बागची ने कहा, "नौकरी कर लेगी बंगले में? बच्चे को पालना आता है क्या?" बागची की बात सुनकर माधवी ने तपाक से कहा, "जी साहब, बच्चों को अच्छे से खिलाना जानती हूं। इसके अलावा, घर के छोटे-बड़े सभी काम कर सकती हूं। बस मुझे एक मौका दे दीजिए।" माधवी की ओर ध्यान से देखते हुए बागची ने कहा, "ठीक है, तुम आज से ही काम शुरू कर दो।"

माधवी को बागची के बंगले में काम करते हुए एक महीने से अधिक हो गया था। माधवी अपने काम में इतनी निपुण थी कि उससे पूरा घर खुश था। बागची की पत्नी का स्वभाव चिड़चिड़ा था और वह आलस व अपनी खराब सेहत के चलते दिन भर बिस्तर पर या सोफे पर पड़ी रहती और नौकरों पर चिल्लाती रहती। उसके स्वभाव के कारण बच्चे का ध्यान रखने वाली आया ज्यादा दिन न टिक पाती। माधवी उसकी जली कटी बातें सुनकर भी चुपचाप अपने काम में लगी रहती, इसलिए बागची की पत्नी को उससे कुछ खास शिकायतें नहीं थी। उसने बच्चे की देखभाल की जिम्मेदारी भी माधवी को ही दे दी थी।

बागची और उनकी पत्नी को इससे पहले भी कई बच्चे हो चुके थे, लेकिन अज्ञात कारणों से उनका एक भी बच्चा कुछ महीनों या फिर साल भर से ज्यादा जीवित नहीं बच पाता था। इसलिए, इस बच्चे पर दोनों मां-बाप की जैसे जान बसती थी। पढ़े लिखे होने के बावजूद दोनों अपने बच्चे की सुरक्षा के लिए टोना-टोटका व जंतर-मंतर अपनाने से भी परहेज न करते थे।

बच्चा माधवी के पास ही ज्यादा समय बिताता, इस वजह से वो माधवी से काफी ज्यादा घुल मिल गया था। अगर माधवी कुछ देर के लिए भी उसकी नजरों से दूर हो जाती, तो बच्चा जोर-जोर से रोने लगता। बच्चा माधवी को ही अपनी मां समझता और वह साथ खेलती तो ही खेलता, वह दूध पिलाती, तो पीता और वह सुलाती, तो ही उसे नींद आती। अपने पिता को तो बच्चा जैसे कोई अजनबी समझता और मां उस पर ध्यान नहीं देती थी।

माधवी को लगा था कि बड़े घर में काम करने से तनख्वाह अच्छी-खासी मिल जाएगी, जिससे महीने का खर्च पूरा हो जाएगा, लेकिन यहां तो नौकरों से हर एक पैसे का हिसाब लिया जाता। एक दिन बच्चे को गोद में उठाए माधवी ने मालकिन से कहा कि बच्चे के लिए कोई खिलौना गाड़ी मंगवा देतीं, तो अच्छा होता। माधवी की बात सुनकर मिसेज बागची ने कुंठित स्वर में कहा, "कहां से मंगवाऊं, इसके लिए खिलौना गाड़ी? हाथ में रुपए भी तो होने चाहिए। इसका खिलौना 10-20 रुपए में आएगा और इतने रुपए कहां हैं हमारे पास?"

माधवी ने मिसेज बागची ओर गौर से देखते हुए कहा, "मालकिन, खिलौना ही तो है।" माधवी की बात सुनकर मिसेज बागची ने कहा, "अब तुमसे क्या छुपाना। दरअसल, तुम्हारे मालिक की पहली पत्नी से 5 बेटियां हैं, जो इलाहाबाद के एक स्कूल में पढ़ रही हैं। पांचों कुंवारी हैं और उनकी पढ़ाई-लिखाई और दूसरे खर्चों में इनका आधा वेतन चला जाता है। ऊपर से लड़कियों की शादी करवाने के लिए कम से कम 25,000 रुपए लगेंगे। अब कहां से लाएं इतने पैसे।"

मिसेज बागची की बातें सुनकर माधवी बोल पड़ी, "मालिक को घूस भी तो मिलती होगी ना।" माधवी यह कहकर चुप हो गई। मिसेज बागची ने गहरी सांस भरते हुए कहा, "ऐसी कमाई में बिल्कुल बरकत नहीं होती। काली कमाई का पैसा एक हाथ आता है, तो दूसरे हाथ चला जाता है।"

जैसे-जैसे दिन बीतते जा रहे थे, माधवी के मन में उस बच्चे के लिए स्नेह और भी बढ़ता जा रहा था। कभी-कभी बदला लेने की बात याद आती, तो वह क्रोध से भर जाती और फिर बच्चे को देखकर शांत हो जाती। वहां रहते हुए माधवी मिस्टर बागची के परिवार की स्थिति से वाकिफ हो गई थी। कई बार तो वह अपना दर्द भूलकर उनके परिवार के लिए चिंतित हो जाती और उसका मन दया से भर जाता।

माधवी सोचती रहती, "मालिक आखिर 5 बेटियों की शादी कैसे कराएंगे? ऊपर से पत्नी बीमार रहती है और बच्चा छोटा है। जरूर उनके परिवार पर अभिशाप है, वरना इतना सब होने के बावजूद कौन दुखी रहता है।"

कमजोर बच्चों के लिए बरसात तो बीमारियां लेकर आती है। बरसात में उन्हें अक्सर खांसी, जुकाम और बुखार घेर लेता है। ऐसी ही बरसात में माधवी एक दिन किसी काम से अपने घर चली गई। पीछे से बच्चे ने रो-रो कर पूरा घर सिर पर उठा लिया। कुछ देर गोद में उठाने के बाद मिसेज बागची ने एक नौकर को उसे टहलाने के लिए सौंप दिया।

कुछ देर आंगन में घुमाने के बाद नौकर ने बच्चे को हरी घास पर बैठा दिया। बारिश के पानी से जमीन गीली थी और बच्चा ऐसे ही कई घंटों तक पानी में खेलता रहा। वह नौकर दूसरे नौकरों के साथ गप्पे हांकने में मस्त हो गया। काफी देर बाद जब नौकर को ध्यान आया, तो वह बच्चे को फटाफट भीतर ले गया और उसके कपड़े बदलवाए।

शाम होते ही जुकाम से बच्चे की नाक बहने लगी और खांसी से गले से आवाज आने लगी। देर शाम जब माधवी बंगले में पहुंची, तो बच्चे की हालत देखकर उसका कलेजा फटने लगा। वह बच्चे को लेकर तुरंत मालकिन के पास पहुंची और कहा, "देखो जरा बच्चे का क्या हाल हो गया है? कहीं इसे सर्दी तो नहीं लग गई?" बच्चे की हालत देखकर मालकिन भी हक्की बक्की रह गई, क्योंकि वह ऐसा मंजर पहले भी देख चुकी थी।

मिसेज बागची ने तुरंत नौकरों से अलाव जलाने को कहा। मिसेज बागची और माधवी दोनों पूरी रात बच्चे को ठीक करने में जुटे रहीं। दोनों की आंखों से नींद जैसे कोसों दूर थी। ऐसे में सवेरा कब हो गया, दोनों को पता भी न चला। मिस्टर बागची को जैसे ही बच्चे के बीमार होने की खबर मिली वह डॉक्टर को लेकर सीधे घर पहुंचे। 3 दिन में बच्चे की हालत में सुधार आने लगा, लेकिन वह काफी कमजोर हो गया था।

बच्चे का ख्याल रखने में माधवी ने दिन-रात एक कर दिया। यह वही माधवी थी, जो परिवार का सर्वनाश करने का संकल्प लिए उस घर में आई थी और आज उसी घर के चिराग की सलामती के लिए दिन में हजारों बार ईश्वर से दुआएं मांग रही थी। शायद माधवी की दुआओं का ही असर था कि बच्चे की सेहत में धीरे-धीरे सुधार होने लगा।

एक सुबह मिस्टर बागची बच्चे के झूले के पास बैठे हुए थे और मालकिन सिर दर्द के कारण चारपाई पर पसरी हुई थी। माधवी पास में ही बैठी बच्चे के लिए दूध गर्म कर रही थी। माधवी की ओर देखते हुए मिस्टर बागची ने कहा, "हम जब तक जिएंगे तुम्हारे एहसान के तले दबे रहेंगे। यह तुम ही हो जो बच्चे को मौत के मुंह से खींच लाई, वरना हम तो उम्मीद ही हारने लगे थे।"

इतने में मिसेज बागची भी उठकर पास आ गईं और माधवी से कहा, "तुम एक देवी बनकर हमारे जीवन के कष्ट हरने के लिए आई हो। आज अगर तुम न होती, तो पता नहीं क्या अनर्थ हो जाता। मेरी तुमसे एक विनती है। वैसे तो जीना-मरना सब ऊपर वाले के हाथ में है, लेकिन तुम्हारे हाथ में जरूर संजीवनी है। मेरी तो किस्मत ही अभागी है, पर हो सकता है तुम्हारे पुण्यों से मेरे बच्चे की जान बच जाए।"

माधवी चुपचाप मिसेज बागची की बातें सुन रही थी। मिसेज बागची रुआंसी आवाज में कहने लगी, "सच कहती हूं अब तो बच्चे को गोद में उठाने तक से मुझे डर लगता है। तुम इसे आज से अपना ही बच्चा समझो और इसकी मां बन जाओ। इसे भी तुमसे बहुत लगाव है। तुम इसे अपने साथ अपने घर ले जाओ और वहीं इसकी परवरिश करो। जब तक यह तुम्हारी गोद में रहेगा, हमें चिंता न होगी।"

मिसेज बागची की बात सुनकर माधवी ने कहा, "मालकिन, क्यों ऐसे बुरे विचार मन में ला रही हो? बच्चे की हालत में सुधार हो रहा है और देखना भगवान की इच्छा से सब कुशल मंगल होगा।" इतने में मिस्टर बागची बोल पड़े, "नहीं बूढ़ी मां, मेरा दिमाग भले ही इन बातों को ढकोसला करार देता हो, लेकिन मन का एक कोना इस पर विश्वास करना चाहता है। मेरी अपनी मां ने मुझे पैदा होते ही एक धोबिन को बेच दिया था, क्योंकि मुझसे पहले मेरे 3 बड़े भाइयों की मौत हो चुकी थी। इसलिए, मेरी जान बचाने के लिए उन्हें जो उचित लगा उन्होंने किया। अब बारी हमारी है और हमसे जो बन पड़ेगा हम करेंगे। तुम इसे आज से अपना ही बेटा मानो और इसे साथ ले जाओ। हमें जब भी इससे मिलने का मन होगा चले आएंगे और खर्च की चिंता न करना, इसकी पूरी परवरिश का खर्चा हम समय-समय पर तुम्हें भेजते रहेंगे।"

मिस्टर बागची ने कहा, "मैं जिस पेशे में हूं मुझे न चाहते हुए भी कई कुकर्म करने पड़ते हैं। झूठी शहादतें बनाकर निर्दोषों को फंसाना पड़ता है। उनकी और उनके परिवारों की न जाने कितनी बद्दुआएं मेरे सिर पर हैं। मैं जानता हूं कि बुराई का फल कभी अच्छा नहीं हो सकता, लेकिन मैं लोभ में आ ही जाता हूं। अगर मैं ये सब ना करूं, ते नालायक करार देकर निकाल दिया जाऊंगा। अंग्रेजों को जहां 100 खून भी माफ होते हैं, लेकिन हम हिंदुस्तानियों की एक गलती भी हमें भारी पड़ सकती है। इसलिए, मेरी विनती है कि हमारे बेटे को स्वीकार कर लो।"

माधवी को भी उस बच्चे से बेहद लगाव था, इसलिए वह खुशी-खुशी मान गई। गदगद होते हुए माधवी ने कहा, "आप दोनों की अगर यही इच्छा है, तो मैं बच्चे को अपनाने के लिए तैयार हूं। मुझसे जो बन पड़ेगा, मैं करूंगी। मेरी भगवान से बस यही दुआ है कि हमारे बच्चे को वो अमर करे।"

बड़ी देर से बच्चा आराम से झूले में सो रहा था। चादर से उसका मुंह ढका हुआ था। माधवी ने दूध गर्म कर बच्चे को पिलाने के लिए जैसे ही उसके मुंह से चादर को हटाया, उसके मुंह से जोर से चीख निकल गई। बच्चे का शरीर पूरी तरह ठंडा हो चुका था और चेहरा पीला पड़ा था। माधवी ने जल्दी से बच्चे को गोद में उठाकर सीने से चिपका लिया और जोर जोर से रोने लगी। बालक सभी को छोड़ भगवान के पास जा चुका था।

दिन भर पूरे घर में मातम पसरा रहा और रोने की चीख पुकारों से जैसे पूरा घर कौंध गया हो। मिस्टर बागची और उनकी पत्नी का भी रो रोकर बुरा हाल था। माधवी जो खुद बच्चे को खोने के दर्द से तड़प रही थी, उन दोनों को सांत्वना दे रही थी। माधवी उनसे कह रही थी, "अगर उसके बस में होता, तो अपने प्राण देकर भी बालक को बचा लेती, लेकिन ऐसा संभव नहीं है।" माधवी जो अपना बदला लेने आई थी, ममता के बंधन में बंध स्वयं दुख लेकर जा रही है। सच कहते हैं कि मां का दिल दया का सागर होता है। मां वह देवी है, जिसकी निर्मलता को कोई भी मैला नहीं कर सकता।

कहानी से सीख :

मां की ममता का पूरी दुनिया में कोई मोल नहीं। मां अपने बच्चों की तड़प नहीं देख सकती और बच्चे की ममता के आगे वह अपना सारा क्रोध भूल जाती है। वहीं, यह कहानी यह सीख भी देती है कि इंसान को कभी लालच नहीं करना चाहिए और न ही किसी को दुख देना चाहिए।

Jammu & Kashmir

हम मस्जिदों के बाहर भीख मांग लेंगे... शराबबंदी के लिए सड़कों पर उतरी भाजपा; सीएम का घर घेरा

श्रीनगर, (एजेंसी) कश्मीर में पूर्ण शराबबंदी की मांग को लेकर BJP ने CM उमर अब्दुल्ला के आवास के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। BJP ने नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार पर साधा निशाना, कहा- 'रेवेन्यू चाहिए तो हम भीख मांग लेंगे'। पढ़ें पूरी खबर।

श्रीनगर में शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के आवास के बाहर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने जोरदार प्रदर्शन किया। बीजेपी नेता और कार्यकर्ता कश्मीर घाटी में पूर्ण रूप से शराबबंदी की मांग कर रहे थे। इस दौरान पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कई नेताओं को हिरासत में भी लिया।

बीजेपी ने चेतावनी दी है कि अगर नेशनल कॉन्फ्रेंस (NC) की सरकार ने शराबबंदी पर कदम नहीं उठाया, तो पार्टी भविष्य में दूसरे चरण का विरोध प्रदर्शन शुरू करेगी। यह प्रदर्शन दक्षिण कश्मीर के काजीगुंड शहर से लेकर उत्तर कश्मीर में नियंत्रण रेखा (LoC) पर स्थित करनाह इलाके तक किया जाएगा। मुख्यमंत्री आवास के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए बीजेपी नेता अल्ताफ ठाकुर ने कहा, 'बीजेपी हर तरह के नशे और शराब के सेवन के सख्त खिलाफ है। एनसी सरकार जम्मू-कश्मीर के युवाओं को शराब की ओर धकेलना चाहती है।' ठाकुर ने आगे कहा कि एनसी नेताओं का शराब की बिक्री का समर्थन करना बिल्कुल अस्वीकार्य है। कश्मीर सूफियों और संतों की भूमि है, हम इस धरती पर शराब की दुकानें नहीं खुलने देंगे।

New Delhi

भारत के पास हर वक्त होगा 3 करोड़ बैरल कच्चा तेल, यूएई संग पीएम मोदी ने की ऐतिहासिक डील

नई दिल्ली, (एजेंसी) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अबू धाबी दौरे के दौरान भारत और यूनाइटेड अरब अमीरात के बीच ऊर्जा क्षेत्र में बड़ी डील हुई है. दोनों देशों ने भारत के स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व में UAE के कच्चे तेल के भंडारण को बढ़ाने पर सहमति जताई. इस समझौते के तहत UAE अब भारत के स्ट्रेटेजिक ऑयल रिजर्व्स में 30 मिलियन यानी 3 करोड़ बैरल तक क्रूड ऑयल स्टोर कर सकेगा.

यह फैसला प्रधानमंत्री मोदी और UAE के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नहयान के बीच हुई गहरी बातचीत के बाद सामने आया. भारत के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी.

विदेश मंत्रालय के मुताबिक, इंडियन स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड और अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी यानी ADNOC के बीच स्ट्रैटेजिक सहयोग समझौता हुआ है. इसके जरिए भारत के पेट्रोलियम रिजर्व में UAE की भागीदारी को बढ़ाकर 30 मिलियन बैरल तक ले जाया जाएगा. यह समझौता ऐसे समय हुआ जब पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ा हुआ है और वैश्विक तेल सप्लाई को लेकर चिंता बनी हुई है. खासकर होर्मुज स्ट्रेट में तनाव के कारण दुनिया भर में ऊर्जा सुरक्षा बड़ा मुद्दा बन चुकी है. इसी वजह से भारत और UAE दोनों ने सुरक्षित समुद्री व्यापार मार्गों और बेरोकटोक जहाजों की आवाजाही पर जोर दिया.

Paschim bangal

चुनाव के दौरान अमित शाह को दी थी धमकी, अब अभिषेक बनर्जी के खिलाफ बंगाल में एफआईआर दर्ज

कोलकाता, (एजेंसी) तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के प्रचार अभियान के दौरान कथित तौर पर भड़काऊ और आपत्तिजनक भाषण देने के मामले में उनके खिलाफ विधाननगर साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। एफआईआर के अनुसार, सामाजिक कार्यकर्ता राजीव सरकार ने विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के ठीक अगले दिन यानी 5 मई को बागुईआटी थाने में यह शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि अभिषेक बनर्जी ने 27 अप्रैल से 3 मई के बीच कई चुनावी रैलियों और कार्यक्रमों के दौरान भड़काऊ टिप्पणियां की थीं। शिकायत में कहा गया है कि इन भाषणों के जरिए समाज में दुश्मनी को बढ़ावा देने और सार्वजनिक शांति को भंग करने का प्रयास किया गया। इसके साथ ही भाषणों में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को सीधे तौर पर धमकी देने की बात भी कही गई है। शिकायतकर्ता राजीव सरकार ने सबूत के तौर पर अभिषेक बनर्जी के कई भाषणों के वीडियो लिंक भी पुलिस को सौंपे हैं।

Paschim bangal

आसनसोल में बवाल! लाउडस्पीकर बंद कराने पहुंची पुलिस टीम से झड़प, चौकी में तोड़फोड-लाठीचार्ज

आसनसोल, (एजेंसी) पश्चिम बंगाल के आसनसोल-दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्र के जहांगीर मोहल्ला इलाके में शुक्रवार देर रात उस समय तनाव फैल गया, जब धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर इस्तेमाल को लेकर राज्य सरकार के नए नियमों को लागू कराने पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों के बीच विवाद हो गया. देखते ही देखते मामला इतना बढ़ गया कि गुस्साई भीड़ ने पुलिस चौकी पर हमला कर दिया और वहां जमकर तोड़फोड़ की. घटना के बाद इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है और हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है.

पुलिस सूत्रों के अनुसार राज्य सरकार ने हाल ही में मस्जिदों और मंदिरों समेत सभी धार्मिक संस्थानों में लाउडस्पीकर के इस्तेमाल को नियंत्रित करने के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं. इन नियमों के तहत धार्मिक स्थलों पर लगाए

गए माइक्रोफोन और साउंड सिस्टम की आवाज केवल परिसर तक सीमित रखने को कहा गया है, ताकि आसपास के इलाकों में ध्वनि प्रदूषण को रोका जा सके. प्रशासन ने सभी धार्मिक संगठनों से इन नियमों का पालन करने की अपील की थी.

इसी आदेश के पालन को सुनिश्चित करने के लिए आसनसोल उत्तर थाना क्षेत्र के पुलिसकर्मी शुक्रवार को जहांगीर मोहल्ला समेत कई इलाकों के धार्मिक स्थलों पर पहुंचे थे.

खेल

प्लेऑफ की डगर हुई मुश्किल, तालिका में छठे स्थान पर खिसकी चेन्नई

जीत के साथ लखनऊ ने बिगाड़ा खेल

लखनऊ, (एजेंसी) आकाश सिंह की अगुवाई में गेंदबाजों के घातक प्रदर्शन के बाद मिचेल मार्श और जोश इंग्लिस की शतकीय साझेदारी के दम पर लखनऊ सुपर जाएंट्स ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को सात विकेट से हरा दिया। शुक्रवार को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी सीएसके ने कार्तिक शर्मा की अर्धशतकीय पारी की मदद से 20 ओवर में पांच विकेट पर 187 रन बनाए। जवाब में लखनऊ ने 20 गेंदों के शेष रहते तीन विकेट पर 188 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। 17वें ओवर की चार गेंदों पर पूरन ने लगातार चार छक्के ठोककर लखनऊ को जीत दिलाई।

इस हार के साथ चेन्नई की प्लेऑफ की उम्मीदों को तगड़ा झटका लगा है। टीम छठे पायदान पर पहुंच गई। उसके खाते में 12 अंक हैं और नेट रन रेट 0.027 हो गया है। वहीं, प्लेऑफ की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकी

लखनऊ की टीम तालिका में 10वें स्थान पर पहुंच गई है। टॉप-4 में आरसीबी, गुजरात, हैदराबाद और पंजाब की टीमें हैं।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ की तरफ से पारी की शुरुआत करने आए मिचेल मार्श ने मात्र 38 गेंदों पर सात छक्कों और नौ चौकों की मदद से 90 रन की पारी खेल टीम को जीत दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई। जोश इंग्लिश ने 32 गेंदों पर 36 और निकोलस पूरन ने 17 गेंदों पर नाबाद 32 रन बनाए। मुकुल चौधरी भी 10 गेंदों पर 13 रन बनाकर नाबाद रहे।

इससे पहले चेन्नई की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टीम ने सैमसन, गायकवाड़ और उर्विल पटेल के रूप में शुरुआती तीन विकेट 7.2 ओवर में 52 रन पर गंवा दिए थे। सैमसन 20, गायकवाड़ नौ और पटेल छह रन बनाकर आउट हुए। कार्तिक शर्मा और डेवाल्ड ब्रेविस ने पारी को संभाला और चौथे विकेट के लिए 70 रनों की बेहद अहम साझेदारी की। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे कार्तिक शर्मा ने 42 गेंदों पर पांच छक्कों और छह चौकों की मदद से 71 रन की पारी खेली। कार्तिक का सीजन का यह दूसरा अर्धशतक था। डेवाल्ड ब्रेविस ने 16 गेंदों पर 25 रन की पारी खेली। ब्रेविस से बड़ी पारी की उम्मीद थी, लेकिन अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में वह फिर असफल रहे।

शिवम दुबे और प्रशांत वीर ने आखिरी 24 गेंदों पर 45 रन की साझेदारी करते हुए टीम का स्कोर 187 तक पहुंचाया। इसमें पारी की आखिरी चार गेंदों शिवम दुबे द्वारा लगाए दो छक्के और दो चौके शामिल हैं। प्रिंस यादव द्वारा फेंकी सीएसके की पारी के आखिरी ओवर में 23 रन बने। दुबे में 16 गेंदों पर 32 और प्रशांत वीर 10 गेंदों पर 13 रन बनाकर नाबाद रहे। एलएसजी के लिए आकाश महाराज सिंह ने बेहतरीन गेंदबाजी की और 4 ओवर में 26 रन देकर 3 विकेट लिए। मोहम्मद शमी और शहबाज अहमद को 1-1 विकेट मिला।

सिनेमा

पाकिस्तान में बैन थी धुरंधर 2 वहां नेटफ्लिक्स पर आते ही हो गई क्रैश, वीडियो हुआ वायरल

पाकिस्तान की जनता चाहे कितना इनकार करे कि उसे धुरंधर जैसी फिल्मों से तकलीफ है, मगर अंदर ही अंदर उसे भी इसमें दिखाई सच्चाई देखने की तलब है. शुक्रवार की रात इस तलब की एक झलक भी देखने मिली. नेटफ्लिक्स पर इंडिया के अलावा दुनियाभर में आदित्य धर की फिल्म धुरंधर द रिवेंज रिलीज हो गई. धुरंधर के दोनों पाट्र्स पाकिस्तान समेत गल्फ देशों में बैन थे. ऐसे में जब ये ओटीटी पर आई, तो लगता है कि पाकिस्तान के लोग इसे देखने के लिए टकटकी लगाए नेटफ्लिक्स खोलकर बैठे थे. उन्हें ऐसा था कि जैसे ही आदित्य धर की फिल्म आएगी, वो उसे खोलकर देखेंगे. पाकिस्तान में धुरंधर के इस क्रेज ने वहां के नेटफ्लिक्स सर्वर को भी क्रैश कर दिया. एक पाकिस्तानी यूजर का दावा है कि धुरंधर द रिवेंज के कारण, उनके देश में नेटफ्लिक्स के सर्वर क्रैश हो गए हैं. उनका कहना है कि इसे देखने के लिए सब इतने एक्साइटेड थे कि 12 बजते ही नेटफ्लिक्स को खोलकर बैठ गए और ओटीटी प्लेटफॉर्म का सर्वर क्रैश हो गया, जिससे फिल्म चलनी बंद हो गई. वीडियो में कंटेंट क्रिएटर माविया उमेर फारूकी का कहना है, 'पाकिस्तान में आज ही धुरंधर (द रिवेंज) रिलीज हुई है और सर्वर क्रैश हो गया.

Highlights

1. 3,000 km MCS over Bay of Bengal sparks heavy rain warning
2. Masked men break into medical store in Pune's Chakan area
3. Indore youth held, MDMA seized in raid in Kollam drug bust case
4. Govt imposes ₹3/ litre excise duty on petrol exports
5. Karnataka's Alcohol in Beverage (AIB) policy lowers prices by 25%
6. Video shows thousands of flamingos as they arrive in Navi Mumbai

JBL at 80: Dave Rogers talks audio revolutions, engineering, India and AI tuning

NEW DELHI, (Agency). On October 1 in 1946, American audio engineer James Bullough Lansing founded Lansing Sound Incorporated, which was soon renamed James B. Lansing Sound. In short, JBL. Before Lansing tragically took his own life in late 1949, the company had engineered the iconic D130, a 15-inch loudspeaker driver which featured a radical composition of a 4-inch flat-ribbon wired voice coil and Alnico V magnets—these still serve as a manufacturing benchmark, eight decades later. Over the years, JBL (which was purchased by Harman International), also delivered the L100 stereo benchmark (their best-selling speaker ever since 1970, across iterations), the JBL 4310 three-way studio monitor which shaped modern music mixing processes, and commitment to innovation such as community focused initiatives that include a JBL Campus Program and a partnerships with Girls Make Beats.

At this 80 year milestone, JBL finds itself surrounded by tremendous competition, across its product lines. Here are some. Home audio bears competition from the likes of Marshall and Sonos. Soundbars, from Sennheiser and Yamaha. Headphones, perhaps the most hotly contested space, sees JBL compete with everyone from Sony to Apple. Same for true wireless earbuds. And if we are to reference the portable audio and bluetooth speaker category, countless brands known and not so much, vie for attention and orders.

In a conversation with HT on this milestone moment, Dave Rogers, who is President of the Lifestyle Division at Harman, insists JBL's legacy is built on breakthrough engineering, and that's a continuing approach. "Studio-grade fidelity, stage-worthy power, and everyday reliability," the three non-negotiable pillars in Rogers book.

By modernising a classic, Nike evolves the Pegasus 42 to outclass competition

NEW DELHI, (Agency). No matter how sneaker brands may portray it otherwise, genuine tech innovation has slowed down from the highs of the mid-2010s, when I spent much time analysing running shoes and the evolving tech foundations. Now, ever so often, something comes along that's definitely a step forward in the truest sense. Not an easy feat to achieve in what is essentially the 42nd generation of this classic sneaker, but Nike Pegasus 42 is a more wholesome modernisation of an established sneaker. Yet, Nike hasn't forgotten or ignored the basics of keeping things simple, as they have with the Pegasus shoes over the years, and hence the broad spectrum appeal across age groups.

In India, the Pegasus 42 is priced at ₹12,995 and that price tag advantage is just the beginning of an assertion of supremacy over Adidas Supernova Rise 3 (that's priced at ₹14,999; here's an analysis of a an earlier generation). Nike has redone the Pegasus 42 silhouette, and it is decidedly more modern to look at—a more pronounced rocker aspect, which I'll get to momentarily. A bit edgy, if you may, which itself is a big change for an otherwise visually restrained Pegasus series. The Volt Tint/Sapphire/Lime Blast/ Black Spruce colour way delivers a particularly youthful look, something you'd otherwise expect the more expensive sneakers to figure. Add this new design language to the price tag advantage, and you can see how the comparison contours are shaping up.

Three core generational upgrades define the Nike Pegasus 42. First, Nike's Air Zoom technology unit is now full length, while there were separate forefoot and heel units in the previous generations. The immediate positive, and it's very noticeable, is a a more even return of energy that's supposed to provide propel assistance to a runner.

DETECTIVE GROUP
Detecting the truth

I AM NOT

- a Lover but will support you.
- a Friend but will guide you.
- a Lawyer but will assist you in getting justice.
- a Police but will help you in finding an evidences.
- an Uncle but will help in knowing your upcoming family's details.
- a Teacher but will suggest you a right direction.
- a Doctor but will cure your problems.
- a Driver but will take you to correct destination.

WHO AM I?

I AM THE DETECTIVE !

Helping Secretly & Securely...

WWW.DETECTIVEGROUP.IN

Visit our website & Submit your Query...
Team will contact you within 24 hrs...

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक